# बिजली चोरी की जांच करने गई बीएसईएस टीम पर हमला, दो अधिकारी घायल

## मामले में शातिर बिजली चोर शब्बीर अंसारी व अकबर गिरफ्तार, शब्बीर का पुत्र फरार

नई दिल्लीः 30 मई, 2018। शातिर बिजली चोर अकबर, शब्बीर अंसारी व उसके पुत्र ने, बिजली चोरी की जांच करने गई बीएसईएस की टीम पर अचानक हमला कर दो अधिकारियों को गंभीर रूप से घायल कर दिया और तीसरे अधिकारी के पैरों पर जोरदार प्रहार किया। पुल प्रह्लादपुर इलाके के लाल कुआं क्षेत्र में बिजली चोरों द्वारा किए गए इस हमले में एन्फोर्समेंट टीम के अधिकारी मनीष शर्मा और विशाल प्रभाकर को काफी चोटें आई हैं। मनीष शर्मा की छाती पर हमला किया गया, जबकि विशाल के दायें पैर में फ्रैक्चर आया है।

100 नंबर पर घटना की सूचना पाते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और सक्रियता दिखाते हुए शब्बीर और अकबर को तत्काल गिरफ्तार कर लिया। एक अन्य आरोपी इरफान फरार है। उसकी तलाश जारी है। स्थानीय पुलिस थाने में आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धाराओं 186/353/332/34 के तहत मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर नंबर 114 है। आरोपियों ने साकेत कोर्ट में जमानत की अर्जी दी, जिसे कल यानी 29 मई को अदालत ने खारिज कर दिया।

दरअसल, बीएसईएस की एन्फोर्समेंट टीम पुल प्रह्लादपुर के लाल कुआं क्षेत्र में बिजली लाइनों की चेकिंग के लिए गई थी। इस इलाके में सालाना 20 से 30 लाख यूनिट बिजली की चोरी होती है। यहां बीएसईएस टीम ने सी–40 नामक परिसर में इरफान को बिजली की चोरी करते रगे हाथों पकड़ा और उसके विरूद्ध केस बुक किया। इसके बाद, टीम एक अन्य परिसर की ओर जाने लगी। लेकिन, इसी बीच, इरफान के पिता अकबर ने सी–33 निवासी शब्बीर अंसारी और उसके पुत्र के साथ मिलकर अचानक, लाठियों और पत्थरों से बीएसईएस अधिकारियों पर हमला कर दिया, जिसमें उन्हें काफी चोटें आई हैं।

उल्लेखनीय है कि अकबर और शब्बीर दोनों, आदतन बिजली चोर हैं। दोनों के खिलाफ पूर्व में भी बिजली चोरी के मामले दर्ज किए गए हैं।

बीएसईएस प्रवक्ता के मुताबिक, बीएसईएस टीम पर हमले का यह कोई अकेला मामला नहीं है। तीन माल पहले फरवरी में भी बीएसईएस टीम पर हमला हुआ था, जिसमें असामाजिक तत्वों ने डिस्कॉम के एक वरिष्ठ अधिकारी का सिर फोड़ दिया था। अनियमितताओं को चेक करने गईं डिस्कॉम की टीमों पर आए दिन हमले होते रहते हैं। ये असामाजिक तत्व संगठित गैंग्स की तरह हमलों को अंजाम देते हैं। कुछ कथित संवेदनशील इलाकों में जब भी डिस्कॉम की टीमें जाती हैं, आपराधिक तत्व उन्हें घेर लेते हैं और उनके ऑफिशियल कार्य में बाधा डालते हैं। यहां बिजली की चोरी ने एक संगठित अपराध का रूप ले लिया है और इस पर काबू पाने के लिए पुलिस से और भी अधिक सहयोग की जरूरत है।

बिजली चोरी के नुकसान
जिन कॉलोनियों में बिजली की अत्यधिक चोरी होती है, वहां न सिर्फ डिस्कॉम को आर्थिक नुकसान होता है, बल्कि इससे बिजली वितरण के नेटवर्क पर भी भारी दबाव पड़ता है। इस ओवरलोडिंग की वजह से सिस्टम में ट्रिपिंग होती है और उपभोक्ताओं को बिजली गुल का सामना करना पड़ता है।

अधिक बिजली चोरी वाले इलाकेः
कड़ी कार्रवाइयों के बावजूद कई इलाकों में अभी भी अधिक बिजली चोरी हो रही है। ऐसे इलाकों में शामिल हैं– नजफगढ़, मुंडका, बदरपुर, शाहीन बाग, करावल नगर, सीलमपुर, मंडावली, चांदनी महल, नंद नगरी, तुर्कमान गेट, यमुना विहार, दरियागंज और दल्लुपुरा।

*दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।*

.....